लाडो लक्ष्मी योजना में पहली किस्त के बाद ही बदलाव क्यों किया जा रहा है?

हमने तय किया है कि हम महिलाओं को 2 हिस्सों में इस योजना का लाभ पहुंचाएंगे। हर महीने 2100 रुपए देने की बजाय हम महिलाओं के खाते में 1100 रुपए डालेंगे और बचे 1000 रुपए उनकी सेविंग में जाएंगे जिसे सरकार स्वयं करेगी। उदाहरण के तौर पर अगर 12 महीने बाद सरकार पैसा महिलाओं को लौटाएगी तो 12,000 रुपए एक साथ लौटाएगी ताकि उस पैसे से हमारी लाडो घर की बड़ी जरूरतों को पूरा कर सके। हम अपनी बहनों का एक-एक पैसा उन्हें सूद समेत लौटाएंगे।

लाडो लक्ष्मी योजना में हुए बदलाव पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने किया स्पष्ट

अब लाडो को हर महीने मिलेंगे 1100, 1000 रुपए की सेविंग सरकार करेगी

हरियाणा में जीत की हैट्रिक लगाने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार को 11 साल पूरे हो गए हैं। प्रदेश के इतिहास में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का रिकॉर्ड भी भाजपा ने बनाया है। ऐसे में लोगों की बड़ी उम्मीदों पर सरकार कितना खरा उतर पाई है इस पर हमने पंजाब केसरी स्टूडियो पहुंचे सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी से बातचीत की। पढ़िए इंटरव्यू के प्रमुख अंश।

• आप कहते हैं सरकार के 11 साल बेमिसाल और विपक्ष कहता है हरियाणा बेहाल। क्या जवाब देंगे?

2014 से लेकर अब तक हमने प्रदेश और जनता की भलाई के लिए बहुत से काम किए हैं। कामों के कारण ही जनता ने हमें लगातार तीसरी बार अपार प्यार देकर सत्ता में पहुंचाया। अगर हम काम न कर रहे होते तो क्या बार-बार हरियाणा की जनता हमें प्रदेश की कमान सौंपती। मनोहर लाल से लेकर नायब सैनी ने सूबे की जनता के लिए नि:स्वार्थ होकर काम किया है।

यही कारण है कि हमने लगातार तीसरी बार सरकार बनाई और कांग्रेस ने हार की हैट्रिक लगाई। आज हरियाणा में बिना पर्ची-खर्ची के युवाओं को नौकरियां मिल रही हैं, 24 घंटे गांवों में बिजली की आपूर्ति हो रही है, किसानों को उनकी फसल का मूल्य सीधे उनके बैंक खाते में मिल रहा है, फसल खराबे पर उचित मुआवजा मिल रहा है, सड़कों का जाल बिछ रहा है, क्या ये सब हुड्डा राज में था? किसानों पर गोलियां चलाने वाले, पेंशन का हक मांग रहे बुजुर्गों पर लाठियां चलाने वाले, सरकार का खजाना रोहतक में लगाने वाले और भाई-भतीजों को नौकरियां लगवाने वालों को हमारी पारदर्शिता से चल रही सरकार पर सवाल उठाने का हक नहीं है।

• आपकी सरकार खुद को किसान हितैषी बताती है, तो आए दिन किसानों को सड़कों पर आने की नौबत क्यों आती है? आंदोलन क्यों करना पड़ता है?

हमने किसान के उत्थान के लिए बहुत काम किए हैं। हमारी सरकार किसानों की सभी 24 फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद रही है। यहां तक कि भावांतर भरपाई जैसी किसान हितैषी योजना भी हमारी सरकार लाई जोकि सब्जियों पर भी किसानों को निर्धारित मूल्य की गारंटी देती है। आज किसानों की सूरजमुखी की 100 प्रतिशत फसल सरकार खरीद रही है। किसानों को जो भाव हमारी सरकार दे रही है वे पड़ोसी राज्य नहीं दे पाते। पंजाब सरकार सूरजमुखी 4300 रुपए में खरीदती है और हमारी सरकार 7200 रुपए में सूरजमुखी खरीदकर 24 घंटे के अंदर पेमेंट भी किसानों के खातों में डाल देती है। कुछ थोड़ी-बहुत अव्यवस्थाएं होती हैं लेकिन हम उन्हें भी समय रहते ठीक कर लेते हैं। जहां तक किसानों के आंदोलन की बात है तो शंभू बॉर्डर पर किसान पंजाब का था और उन्हें पंजाब की भगवंत मान सरकार से एम.एस.पी. मांगनी चाहिए। हरियाणा की सैनी सरकार में किसान खुशहाल है।

लाडो लक्ष्मी योजना में पहली किस्त के बाद ही बदलाव क्यों किया जा रहा है?

हमने तय किया है कि हम महिलाओं को 2 हिस्सों में इस योजना का लाभ पहुंचाएंगे। हर महीने 2100 रुपए देने की बजाय हम महिलाओं के खाते में 1100 रुपए डालेंगे और बचे 1000 रुपए उनकी सेविंग में जाएंगे जिसे सरकार स्वयं करेगी। उदाहरण के तौर पर अगर 12 महीने बाद सरकार पैसा महिलाओं को लौटाएगी तो 12,000 रुपए एक साथ लौटाएगी ताकि उस पैसे से हमारी लाडो घर की बड़ी जरूरतों को पूरा कर सके। हम अपनी बहनों का एक-एक पैसा उन्हें सूद समेत लौटाएंगे।

हरियाणा में प्रदूषण का स्तर बेहद खराब है। सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। सरकार क्या कर रही है?

लोगों को साफ हवा और पानी मिले इसके लिए हमारी सरकार बेहद संजीदा है। प्रदूषण फैलाने वालों पर हम सख्त कार्रवाई भी कर रहे हैं। किसान फसल अवशेष न जलाएं इसके लिए हम उन्हें उपकरण मुहैया करवा रहे हैं। इसके बावजूद पराली जलाने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा रही है। जो लोग भी प्रदूषण फैला रहे हैं चाहे वे इंडस्ट्री हो या कोई भी हो, हम सख्ती से निपट रहे हैं। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।

सरकार प्रदूषण रोकने के लिए कोई पॉलिसी क्यों नहीं बनाती?

हम इस पर काम कर रहे हैं। अधिकारियों की जिम्मेदारी लगाई गई है कि वे पॉलिसी फ्रेम करें। हम लोगों को भी जागरूक कर रहे हैं। आने वाले समय में हम अवेयरनेस प्रोग्राम भी करवाएंगे। विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। उम्मीद है कि हमें आने वाले समय में प्रदूषण से राहत मिलेगी।

• परीक्षा का समय आने वाला है, पिछले सालों में पेपर लीक की घटनाएं बहुत हुई हैं, इस बार सरकार की क्या तैयारी है?

पेपर लीक और नकल माफिया पर हमारी पैनी नजर है। ऐसे लोगों से निपटने के लिए हमने पुख्ता इंतजाम किए हैं। बच्चों के भविष्य के साथ खेलने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। हमारे पुख्ता इंतजामों के कारण ही आज गरीब से गरीब परिवार का बच्चा क्लास टू और क्लास वन की सर्विस में ज्वाइन कर रहा है। चौटाला और हुड्डा सरकार ने जो 2 दशक तक ग्रुप डी की परीक्षा करवाने की हिम्मत नहीं दिखाई वह हमारी मनोहर लाल सरकार थी। हमारी सरकार के मॉडल को दूसरे राज्य भी फॉलो कर रहे हैं।

• राहुल गांधी हाइड्रोजन बम लेकर आए। चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया और आपकी सरकार को चोरी की सरकार कहा। क्या कहेंगे?

वह हाइड्रोजन नहीं सुतली बम था। राहुल गांधी और कांग्रेस का हाईकमान अब तक का सबसे कमजोर हाईकमान है। इन्हें 11 साल लग गए हरियाणा में संगठन बनाने में और अभी भी केवल जिला अध्यक्ष ही बना पाए हैं। इनके पास कार्यकर्ता ही नहीं हैं। चुनाव के दौरान बूथ पर खड़े होने के लिए बी.एल.ए. नहीं हैं और ये हम पर वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं। आज हरियाणा के इतिहास का सबसे कमजोर विपक्ष, सबसे लाचार विपक्ष, नेता विहीन विपक्ष, नेतृत्व विहीन विपक्ष है। न इनके पास नेता है और न ही नीति। कांग्रेस आत्मचिंतन करे कि आखिर ऐसा क्यों है कि न तो भजन लाल का परिवार आज कांग्रेस में है और न ही बंसीलाल का परिवार। ऐसे झूठे आरोप लगाने से जनता का आशीर्वाद नहीं मिलता। जनता काम करने वाले के साथ खड़ी होती है। और हां, जहां तक चोरी की बात है तो राहुल गांधी समझ लें, अगर ऐसे ही रहा तो एक दिन वह भी आएगा जब हम कांग्रेस को ही चोरी कर लेंगे।

• हरियाणा कांग्रेस प्रदेश में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान चला रही है। क्या आपको लगता है लोग उनसे जुड़ेंगे?

ये कोई भी अभियान चला लें, कोई भी नारा दे लें, हरियाणा की समझदार जनता अब इनके झांसे में आने वाली नहीं है। प्रदेश की जनता सब जानती है कि उनके लिए काम किस सरकार ने किए हैं। इनके तो नेता ही सीरियस नहीं हैं। जिस हुड्डा ने किरण चौधरी, राव इंद्रजीत, कुलदीप बिश्नोई को पार्टी छोड़ने पर मजबूर कर दिया। जिसने सैलजा और सुर्जेवाला को कांग्रेस में हाशिए पर लाने का भरसक प्रयास किया, कुर्सी तो उस हुड्डा को छोड़नी चाहिए जिसने एक साल तक इतना दबाव बनाया कि पार्टी आलाकमान को उसे ही नेता प्रतिपक्ष बनाना पड़ा। भाजपा और हरियाणा की अढ़ाई करोड़ जनता ने इन्हें सीरियस लेना छोड़ दिया है।

क्या आपको लगता है आई.पी.एस. पूरण कुमार मामले में सरकार से चूक हुई है?

ऐसा बिल्कुल नहीं है। सरकार पहले दिन से संवेदनशील थी। मुख्यमंत्री जापान दौरे से लौटते ही आई.ए.एस. अमनीत से मिले और उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया लेकिन कुछ इसमें राजनीति कर रहे थे। उन्हें परिवार के साथ संवेदनाएं कम और अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने से ज्यादा मतलब था। एक निश्चित प्रक्रिया से गुजरते हुए परिवार की मांगों को पूरा किया जा सकता था और हमने वह किया भी।

फरीदाबाद में 2900 किलो विस्फोटक पकड़ा गया। अल फलाह यूनिवर्सिटी में आतंकी गतिविधियां चल रही थीं। क्या यह सरकार और पुलिस का फेलियर नहीं है?

बिल्कुल भी नहीं। हमारी पुलिस ने ही जे.एंड के. पुलिस के साथ मिलकर इस बड़ी साजिश का पर्दाफाश किया। हमारी ही पुलिस ने उन्हें पकड़ा तो यह फेलियर कैसे है। हम पूरे मॉड्यूल को नष्ट करने में कामयाबी हासिल कर रहे थे कि इसी दौरान आतंकियों ने हड़बड़ाहट में धमाका कर दिया। हम देश की जनता को विश्वास दिलाते हैं कि हम किसी भी तरह के देश विरोधी मंसूबों को कामयाब नहीं होने देंगे।

• बिहार में एन.डी.ए. की प्रचंड जीत हुई। आप भी वहां मेहनत कर रहे थे, उम्मीद थी कि 200 पार होगा?

बिहार में हमारी सरकार कम्फर्टेबल मैजोरिटी के साथ रिपीट होगी हमें इसका आभास था लेकिन जनता हमें इतना प्यार देगी यह नहीं पता था। हमारे कामों पर लोगों ने मोहर लगाई और जंगलराज को बिहार की सत्ता से दूर रखने का संकल्प लिए बिहार की जनता हमारे साथ थी। मोदी और नीतीश की डबल इंजन की सरकार लोगों की भलाई के लिए काम कर रही थी। बिहार को बीमारू राज्य से निकालकर विकासशील राज्यों की श्रेणी में लाने का काम हम कर रहे हैं और अब अपार जनसमर्थन के बाद हमारे ऊपर यह जिम्मेदारी और बढ़ गई है।

• कांग्रेस तो बिहार चुनाव में भी गड़बड़ी का आरोप लगाकर सबूत देने की बात कह रही है। आप कैसे देखते हैं?

कांग्रेस पार्टी मानसिक दिवालिया हो चुकी है। उसे हर जगह गड़बड़ी नजर आती है। राहुल गांधी वोट मांगने की बजाय तालाब में मछलियां पकड़ रहे थे। बीच चुनाव में विदेश की यात्रा पर थे। महागठबंधन आपस में ही लड़ रहा था और ये हम पर आरोप लगाते हैं। अब वह दिन दूर नहीं है जब कांग्रेस मुक्त भारत का सपना साकार होगा। आने वाले चुनावों में हम हिमाचल में भी इन्हें हराएंगे और बाकी राज्यों में भी इनका सूपड़ा साफ होगा।

• पंजाब में भी विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। भाजपा की पंजाब को लेकर क्या तैयारी है?

पंजाब विधानसभा के चुनाव 2027 में होने हैं। लगभग एक साल का समय शेष है। हम पंजाब को लेकर रणनीति बना रहे हैं। आप देखिएगा कि पंजाब में अगली

-प्रस्तुति : सुधीर पांडे, कृष्ण धमीजा